जेवर एयरपोर्ट से जुड़ेगा गंगा एक्सप्रेस-वे

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा में बन रहे **नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (NIA)**, जिसे **जेवर एयरपोर्ट** भी कहा जाता है, को **गंगा एक्सप्रेस-वे** से जोड़ने की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - गंगा एक्सप्रेस-वे को जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने के लिये 76 किमी. लंबा एक नया लिंक एक्सप्रेसवे **बुलंदशहर** होते हुए बनाया जाएगा।
  - सरकार ने बजट में इस परियोजना के लिये 1000 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है।
  - यह लिंक एक्सप्रेसवे **यमुना एक्सप्रेस-वे** के जरिये 24 किलोमीटर पहले ही जुड़ जाएगा।
  - इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत 4415 करोड़ रुपए है।
- **लाभ:**
  - इस एक्सप्रेस-वे के बनने से मेरठ, बुलंदशहर के लोग कम समय में सीधे जेवर एयरपोर्ट तक पहुँच सकेंगे। साथ ही पूर्वांचल औ**बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे** से आने वाले लोगों को भी इस एक्सप्रेस-वे का लाभ मिलेगा।
  - इससे व्यापारिक और औद्योगिक विकास में गति आएगी।
  - बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट

- यह एयरपोर्ट विश्व का **चौथा सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट** और **उत्तर प्रदेश का 5वाँ इंटरनेशनल एयरपोर्ट** होगा। वहीं दिल्ली एनसीआर में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (IGI) के बाद यह दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।
- नोएडा एयरपोर्ट को **ज्यूरिख एअरपोर्ट इंटरनेशनल (Zurich Airport International AG)** द्वारा तैयार किया जा रहा है।
- इस एयरपोर्ट पर स्टेट ऑफ आर्ट **MRO (Maintenance, Repair & Overhauling)** सर्विस भी उपलब्ध होगी। एयरपोर्ट को इस प्रकार से डिजाइन किया गया कि इससे ऑपरेटिंग खर्चों को कम रखा जा सकेगा एवं यात्रियों के ट्रांसफर प्रोसेस को शीघ्रता से किया जा सकेगा।
- आसपास की सड़कों, हाईवे जैसे यमुना एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न पेरिफेरल, ईस्टर्न पेरिफेरल, **दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे** और दूसरे हाईवे को भी एयरपोर्ट से सीधा कनेक्ट किया जाएगा। एयरपोर्ट को दिल्ली-वाराणसी के बीच प्रस्तावित हाई स्पीड रेल से भी जोड़ा जाएगा, जिससे दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट की दूरी 21 मिनट में पूरी की जा सकेगी.
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर्यावरण के लिहाज से देश का पहला **नेट जीरो एमिशन** एयरपोर्ट होगा। पास की ज़मीन पर पेड़ों को लगाकर फारेस्ट पार्क तैयार किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे

- **गंगा एक्सप्रेस-वे मुंबई-नागपुर एक्सप्रेस-वे** के बाद देश का **दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे** है।
- यह 594 किलोमीटर की अनुमानित लंबाई वाला एक महत्त्वाकांक्षी पहल है।
- राज्य को पूर्व से पश्चिम तक जोड़ने वाला **यह एक्सप्रेस-वे 12 ज़िलों के 518 गाँवों से होकर** गुज़रेगा, जिससे **मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय काफी कम** हो जाएगा।
- गंगा एक्सप्रेस-वे केवल एक परिवहन लिंक नहीं है, बल्कि अपने एडवेंचर लैंडस्केप को आधुनिक बनाने के लिये उत्तर प्रदेश के विस्तार का एक प्रमाण है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ganga-expressway-will-be-connected-to-jewar-airport